

ट्रम्प प्रशासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का क्षण परिचय

संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान का पहला संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जो लोकतंत्र का एक आधारस्तंभ है, जो सरकार की आलोचना और बिना किसी प्रतिशोध के डर के राजनीतिक विमर्श में भाग लेने की अनुमति देता है। हालांकि, 2025 में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन इस अधिकार को व्यवस्थित रूप से कमज़ोर कर रहा है ताकि इजरायल के हितों को प्राथमिकता दी जा सके, विशेष रूप से फिलिस्तीनियों के खिलाफ चल रहे नरसंहार को संरक्षण देने के लिए। 22 मई 2025 को वाशिंगटन, डी.सी. में इजरायली दूतावास के कर्मचारियों पर गोलीबारी और न्याय विभाग (DOJ) के अधिकारियों पाम बॉन्डी और लियो टेरेल की प्रतिक्रिया, जो इजरायल समर्थक समूह @StopAntisemites द्वारा बढ़ाई गई, इस प्रवृत्ति का उदाहरण देती है। 29 जनवरी 2025 को हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश 14188, प्रशासन के पहले से मौजूद इरादे को दर्शाता है कि वह टिकटॉक प्रभावशाली व्यक्ति गाय क्रिस्टनसन जैसे आलोचकों को निशाना बनाए, जिनका साहस नाज़ी उत्पीड़न के खिलाफ सोफी शॉल की प्रतिरोध को दर्शाता है। इजरायल के एजेंडे को अमेरिकी संवैधानिक अधिकारों से ऊपर रखकर, ट्रम्प प्रशासन अपने कर्तव्य का उल्लंघन करता है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाता है, और इजरायल के नरसंहार को सहन करता है।

संदर्भ: वाशिंगटन, डी.सी. में गोलीबारी और सार्वजनिक विमर्श

22 मई 2025 को, 30 वर्षीय शिकागो निवासी और फिलिस्तीनी समर्थक एलियास रोड्रिगेज ने वाशिंगटन, डी.सी. में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर इजरायली दूतावास के दो कर्मचारियों, यारोन लिशिन्स्की और सारा मिलग्रिम को गोली मारकर हत्या कर दी। रोड्रिगेज ने अपनी गिरफ्तारी के बाद “मुक्त, मुक्त फिलिस्तीन” का नारा लगाया, स्पष्ट रूप से अपने कृत्य को गाजा में इजरायल के नरसंहार से जोड़ा। इस नरसंहार को, जिसे एमनेस्टी इंटरनेशनल ने प्रलेखित किया है, में भुखमरी नीतियों के माध्यम से जानबूझकर किया गया विनाश शामिल है, जिसमें इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने फिलिस्तीनियों को “मानव पशु” कहा और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच ने घोषणा की, “गाजा में गेहूं का एक भी दाना प्रवेश नहीं करेगा।” टिकटॉक प्रभावशाली व्यक्ति गाय क्रिस्टनसन ने हिंसा की निंदा की लेकिन इसे संदर्भ में रखा, इसकी तुलना 1938 में हर्शल ग्रिन्स्ज़पैन द्वारा एक नाज़ी राजनीतिक की हत्या से की—एक हताश कृत्य जो उत्पीड़न से उत्पन्न हुआ। ग्रिन्स्ज़पैन का कृत्य दर्शाता है कि इजरायल के नरसंहार जैसे व्यवस्थित उत्पीड़न हिंसा को जन्म देते हैं, जिसे बाद में और हिंसा को उचित ठहराने के लिए शोषण किया जाता है, जैसा कि नाज़ी जर्मनी ने इसे क्रिस्टलनाख्त को शुरू करने के लिए इस्तेमाल किया था। क्रिस्टनसन, सोफी शॉल की तरह, जिन्हें नाज़ी अत्याचारों की निंदा करने के लिए फांसी दी गई थी, ने इजरायल के नरसंहार की आलोचना की, लिशिन्स्की के IDF से संबंधों और उनकी ईसाई पहचान को नोट करते हुए यहूदी-विरोधी आरोपों को चुनौती दी।

क्रिस्टनसन के बयान पहले संशोधन के तहत संरक्षित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ब्रैंडनबर्ग बनाम ओहियो (1969) में निर्णय भाषण की रक्षा करता है जब तक कि यह तात्कालिक गैरकानूनी कार्रवाई को उकसाने का इरादा और संभावना न रखता हो। क्रिस्टनसन की तुलना और इजरायल के नरसंहार की आलोचना—1948 के नरसंहार सम्मेलन के तहत एक अपराध—संवैधानिक सीमाओं के भीतर है, जो शॉल के सैद्धांतिक असहमति को प्रतिध्वनित करता है।

इजरायली लॉबी और @StopAntisemites की भूमिका

@StopAntisemites, एक इजरायल समर्थक समूह, ने 23 मई 2025 को प्रतिक्रिया दी, क्रिस्टनसन की टिप्पणियों को “आतंकवाद का महिमामंडन”, “यहूदी-विरोधी प्रचार प्रसार” और “यहूदियों की हत्या का उत्सव” करार दिया, 尽管他的重点是以色列的种族灭绝政策，而不是犹太身份。该组织以揭露和恐吓批评者而闻名，与自1960年代以来优先考虑以色列利益的美国以色列公共事务委员会（AIPAC）保持一致，尽管参议员J.W.富布赖特（J.W. Fulbright）提出批评，但仍规避了《外国代理人登记法》（FARA）的审查。

AIPAC的影响力保护以色列免于对其种族灭绝负责，包括加兰特的非人化言论和斯莫特里奇的饥饿法令，使得特朗普政府优先保护的政策凌驾于美国言论自由权之上。

ट्रम्प प्रशासन का इजरायल-प्रथम एजेंडा: कार्यकारी आदेश 14188 और DOJ के कार्य

ट्रम्प प्रशासन द्वारा क्रिस्टनसन को निशाना बनाना एक जानबूझकर इजरायल-प्रथम एजेंडा को दर्शाता है, जो 29 जनवरी 2025 को हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश 14188 जैसी नीतियों में निहित है, जो गोलीबारी से महीनों पहले था। EO 14188 यहूदी-विरोधी की परिभाषा को इजरायल की कुछ आलोचनाओं को शामिल करने के लिए विस्तारित करता है, जिससे संघीय एजेंसियों को संरक्षित भाषण की जांच करने और दंडित करने का अधिकार मिलता है, विशेष रूप से कैंपस और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर। इस पहले से मौजूद नीति ने DOJ अधिकारियों लियो टेरेल और पाम बॉन्डी के लिए 23 मई 2025 को @StopAntisemites के पोस्ट को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया। टेरेल, सिविल राइट्स डिवीजन के सहायक अटॉर्नी जनरल के वरिष्ठ सलाहकार, ने कहा, “मैं सभी सुरागों की समीक्षा करूँगा!” @StopAntisemites के कथनक से जोड़ते हुए, जबकि बॉन्डी, अमेरिकी अटॉर्नी जनरल, ने जवाब दिया, “धन्यवाद लियो!” उनके पोस्ट, क्रमशः 494.9K और 1.4M बार देखे गए, एक ऐसे समूह का समर्थन करते हैं जो इजरायल के नरसंहार का बचाव करता है, साथ ही आलोचकों पर संघीय निगरानी का संकेत देता है, जो EO 14188 के ढांचे के अनुरूप है।

यह इजरायल-प्रथम दृष्टिकोण DOJ के **जस्टिस मैनुअल** में दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है, जो चल रही जांचों को प्रभावित करने वाले बयानों को रोकता है। रोड्रिगोज का मकसद, जो इजरायल के नरसंहार से जुड़ा है, जांच के दायरे में है, लेकिन टेरेल और बॉन्डी के कार्य @StopAntisemites के ढांचे का समर्थन करके मामले को पक्षपातपूर्ण बनाने का जोखिम उठाते हैं। उनका व्यवहार ट्रम्प की व्यापक नीति को दर्शाता है जो इजरायल को प्राथमिकता देता है—जो 2018 में यरूशलेम में दूतावास के स्थानांतरण, AIPAC के लिए अटल समर्थन, और EO 14188 में स्पष्ट है—इजरायल के हितों को अमेरिकी संवैधानिक संरक्षण से ऊपर रखता है। क्रिस्टनसन का सैद्धांतिक रुख, शॉल की तरह, इजरायल के अत्याचारों के खिलाफ असहमति को चुप करने के लिए निशाना बनाया गया है।

राजनीतिक ढांचा और AIPAC का प्रभाव

कई अमेरिकी राजनेता, विशेष रूप से AIPAC से जुड़े GOP और MAGA व्यक्तित्व जैसे सीनेटर टेड क्रूज़ और प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन, ने तुरंत गोलीबारी को मुस्लिम यहूदी-विरोधी आतंकवाद के रूप में ढाला, हालांकि रोड्रिगोज मुस्लिम नहीं था और उसका मकसद स्पष्ट रूप से राजनीतिक था—गैलेंट के “मानव पशु” अपमान और स्पोटरिच की “एक भी गेहूं का दाना नहीं” नीति द्वारा चिह्नित इजरायल के नरसंहार का विरोध। AIPAC के प्रभाव से प्रेरित यह जानबूझकर गलत चित्रण त्रासदी का शोषण करता है ताकि फिलिस्तीनी वकालत को बदनाम किया जाए और आलोचकों के खिलाफ कठोर उपायों को उचित ठहराया जाए, जो नाज़ी जर्मनी द्वारा ग्रिन्स्ज़पैन के कृत्य का उपयोग यहूदियों के खिलाफ हिंसा को बढ़ाने के लिए किया गया था। इस कथन के साथ तालमेल बिठाकर, ट्रम्प प्रशासन इजरायल की छवि को सच्चाई से ऊपर रखता है, जिससे अमेरिकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों को नुकसान पहुंचता है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाना और नरसंहार को सहन करना

EO 14188 और DOJ के @StopAntisemites के समर्थन के माध्यम से ट्रम्प प्रशासन का इजरायल-प्रथम एजेंडा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाता है और इजरायल के नरसंहार को सहन करता है। क्रिस्टनसन की संरक्षित भाषण, शॉल के नाज़ी अपराधों को उजागर करने वाले पर्चों की तरह, संभावित परिणामों को उचित ठहराने के लिए गलत तरीके से चित्रित किया जाता है, जो ट्रम्प के 2019 के कार्यकारी आदेश पर आधारित है जो कैंपस सक्रियता को लक्षित करता था। AIPAC के प्रभाव से प्रेरित DOJ के कार्य, गैलेंट की अमानवीय बयानबाजी, स्पोटरिच के भुखमरी के आदेश, और ICJ के संभावित नरसंहार कार्यों के प्रारंभिक निष्कर्षों द्वारा सिद्ध इजरायल के नरसंहार पर विमर्श को चुप कराते हैं। इजरायल को अमेरिकी अधिकारों से ऊपर प्राथमिकता देकर, प्रशासन विवादास्पद भाषण के लिए पहले संशोधन की सुरक्षा को कमज़ोर करता है, जैसा कि स्नाइडर बनाम फेल्प्स (2011) में पुष्टि की गई थी।

संवैधानिक निहितार्थ और ऐतिहासिक समानताएं

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का क्षरण नाज़ी जर्मनी की रणनीतियों के समानांतर है, जहां प्रिन्स्जपैन के कृत्य का शोषण क्रिस्टलनाख्त को उचित ठहराने के लिए किया गया था, जिसने हिंसा का एक चक्र शुरू किया। इसी तरह, AIPAC द्वारा समर्थित राजनेता और @StopAntisemites रोड्रिगोज के कृत्य का उपयोग इजरायल के नरसंहार की आलोचना को दबाने के लिए करते हैं, इसे यहूदी-विरोधी के साथ भ्रमित करके सामूहिक दोषारोपण का जोखिम उठाते हैं। ट्रम्प प्रशासन की इजरायल-प्रथम नीतियां, EO 14188 से लेकर DOJ के कार्यों तक, एक भयावह प्रभाव पैदा करती हैं, जो अमेरिकियों को गैलेंट और स्पोटरिच द्वारा वर्णित अत्याचारों से निपटने से हतोत्साहित करती हैं। क्रिस्टनसन का साहस, शॉल की तरह, इस अव托पिटप प्रवृत्ति के खिलाफ एक गढ़ के रूप में खड़ा है, लेकिन इसे संघीय डराने-धमकाने का सामना करना पड़ता है।

निष्कर्ष

वाशिंगटन, डी.सी. में गोलीबारी पर ट्रम्प प्रशासन की प्रतिक्रिया, कार्यकारी आदेश 14188 के पूर्व-स्थापित ढांचे और DOJ अधिकारियों के @StopAntisemites के समर्थन द्वारा निर्देशित, इजरायल के हितों को अमेरिकी संवैधानिक अधिकारों से ऊपर जानबूझकर प्राथमिकता देने को प्रकट करती है। गाय क्रिस्टनसन की संरक्षित भाषण—सोफी शॉल की प्रतिरोध के समान—को निशाना बनाकर और रोड्रिगोज के कृत्य को मुस्लिम यहूदी-विरोधी आतंकवाद के रूप में गलत ढांचे में डालकर, AIPAC से प्रभावित प्रशासन, गैलेंट की “मानव पशु” बयानबाजी और स्पोटरिच की “एक भी गेहूं का दाना नहीं” नीति द्वारा चिह्नित इजरायल के नरसंहार को सहन करता है। ये कार्य पहले संशोधन का उल्लंघन करते हैं, उत्पीड़न और हिंसा के चक्र को बढ़ावा देते हैं, और लोकतंत्र को कमज़ोर करते हैं। अमेरिकी मूल्यों को संरक्षित करने के लिए, प्रशासन को इजरायल को जवाबदेही से बचाना बंद करना चाहिए और नरसंहार की आलोचना को एक मूलभूत अधिकार के रूप में संरक्षित करना चाहिए।

प्रमुख उद्धरण

- ब्रैंडनबर्ग बनाम ओहियो, 395 U.S. 444 (1969)
- स्नाइडर बनाम फेल्प्स, 562 U.S. 443 (2011)
- DOJ जस्टिस मैनुअल: मीडिया संबंध
- विकिपीडिया: StopAntisemitism
- विकिपीडिया: AIPAC
- विकिपीडिया: हर्शल ग्रिन्स्जपैन
- विकिपीडिया: सोफी शॉल
- एमनेस्टी इंटरनेशनल: गाजा में नरसंहार
- ICJ नरसंहार मामला: इजरायली बयानबाजी
- कार्यकारी आदेश 14188